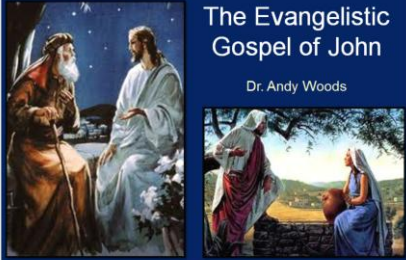


Slide 1

The Evangelistic Gospel of John

Dr. Andy Woods



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 2

The Light and the Life...



*Revealed!*

---

---

---

---

---

---

---

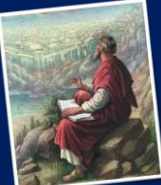
---

---

---

Slide 3

John 20:30-31



“Therefore many other signs Jesus also performed in the presence of the disciples, which are not written in this book; but these have been written so that you may believe that Jesus is the Christ, the Son of God; and that believing you may have life in His name.”

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4

OUTLINE OF JOHN	
1:1-18	HEAVENLY GENEALOGY (Explains who Jesus is)
1:19-11:57	PUBLIC MINISTRY ( 7 signs & discourses)
12:1-50	TRIUMPHAL ENTRY (public national rejection of Christ-12:37)
13-17	UPPER ROOM DISCOURSE (new dispensation)
18-21	PASSION NARRATIVES ( <u>crucifixion to resurrection</u> )

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 5

The Passion of Christ  
(John 18-21)

I. Death (18-19)



II. Resurrection (20-21)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 6

The Passion of Christ  
(John 18-21)

I. Death (18-19)



II. Resurrection (20-21)

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 7

**Christ's Resurrection (20–21)**

- I. Empty Tomb (20:1-10)
- II. Resurrection Appearances (20:11–21:25)
  - A. To Mary (20:11-18)
  - B. To disciples without Thomas (20:19-23)
  - C. To disciples with Thomas (20:24-31)
  - D. To seven disciples (21:1-14) 
  - E. To Peter and John (21:15-25)

Ryrie Study Bible, p. 1301

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 8

**Christ's Resurrection (20–21)**

- I. Empty Tomb (20:1-10)
- II. Resurrection Appearances (20:11–21:25)
  - A. To Mary (20:11-18)
  - B. To disciples without Thomas (20:19-23)
  - C. To disciples with Thomas (20:24-31)
  - D. To seven disciples (21:1-14) 
  - E. To Peter and John (21:15-25)

Ryrie Study Bible, p. 1301

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 9

**D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)**

- 1. The Characters (1-2)
- 2. The Consternation (3)
- 3. The Call (4-5) 
- 4. The Command (6a)
- 5. The Catch (6b)
- 6. The Comprehension (7)
- 7. The Coals (8-9)
- 8. The Count (10-11)
- 9. The Communion (12-14)

Willington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 10

**D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)**

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Wilmington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11



---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 12

**D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)**

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Wilmington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. **The Call (4-5)**
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Willmington, *The Outline Bible*, 587-88

---



---



---



---



---




---

Slide 14

D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. **The Command (6a)**
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Willmington, *The Outline Bible*, 587-88

---



---



---



---



---




---

Slide 15

D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. **The Catch (6b)**
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Willmington, *The Outline Bible*, 587-88

---



---



---



---



---




---

Slide 16

D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Wilmington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

"7 SIGNS" in Gospel of John

	Changing Water into Wine	2:11	
	Healing an invalid at the Pool of Bethesda	5:1-18	
	Walking on water	6:16-21	
	Raising dead Lazarus	11:1-45	

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Wilmington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

**D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)**

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. **The Count (10-11)**
9. The Communion (12-14)



Willington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 22

### Meaning of 153 Fish? (John 21:11)

- Different categories in the united faith
- Proselytes in the days of David and Solomon
- Jewish and Gentile converts in the church
- 153 species of fish (Matt. 4:19)
- Millennial life to the Dead Sea (Ezek. 47:9-10)
- The kills and the Spirit gives life (2 Cor. 3:6)
- Trinity and the New Jerusalem walls
- Year of Jubilee (Lev. 25:8-12)
- Feeding of 5000 (John 6:9, 13)
- Greek Gematria for early Christian titles
- Faithful in Asia, Africa, and Europe

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 23




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 24

TABLE OF ALPHABETIC NOTATION OF NUMERALS					
	Hebrew	Greek		Hebrew	Greek
1	א	α	50	ל	ν
2	ב	β	60	מ	ξ
3	ג	γ	70	נ	ο
4	ד	δ	80	ס	π
5	ה	ε	90	פ	φ
6	ו	ς	100	ק	ρ
7	ז	ζ	200	ר	σ
8	ח	η	300	ש	τ
9	ט	θ	400	ת	υ
10	י	ι	500	קפ	φ
20	כ	κ	600	קפמ	χ
30	ל	λ	700	קפל	ψ
40	מ	μ	800	קפמל	ω

Geoffrey Bromley, ed., *The International Bible Standard Encyclopedia*, 3:556

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25




---

---

---

---

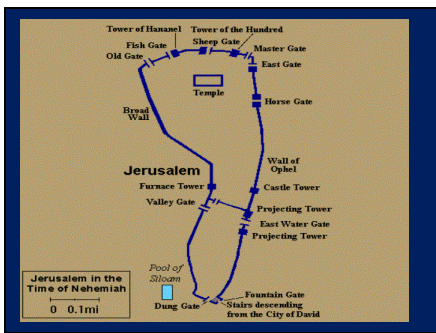
---

---

---

---

Slide 26




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 27

### Three Dangers of Allegorization

- Text is not being interpreted
- There is no way to test the interpreter
- Authority is transferred from text to interpreter



Pentecost, *Things to Come*, pps. 4-5

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

**Galatians 4:24**

“This is **allegorically speaking**, for these *women* are two covenants: one *proceeding* from Mount Sinai bearing children who are to be slaves; she is Hagar.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

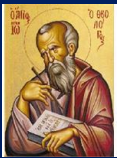
---

---

Slide 29

**Revelation 11:8**

“And their dead bodies *will lie* in the street of the great city which **mystically is called** Sodom and Egypt, where also their Lord was crucified.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

**D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)**

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. **The Communion (12-14)**



Wilmington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 34




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

**Christ's Resurrection (20–21)**

- I. Empty Tomb (20:1-10)
- II. Resurrection Appearances (20:11–21:25)
  - A. To Mary (20:11-18)
  - B. To disciples without Thomas (20:19-23)
  - C. To disciples with Thomas (20:24-31)
  - D. To seven disciples (21:1-14)
  - E. To Peter and John (21:15-25)

Ryrie Study Bible, p. 1301




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

**Conclusion**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 37

D. Christ's Appearance to the Seven (21:1-14)

1. The Characters (1-2)
2. The Consternation (3)
3. The Call (4-5)
4. The Command (6a)
5. The Catch (6b)
6. The Comprehension (7)
7. The Coals (8-9)
8. The Count (10-11)
9. The Communion (12-14)



Wilmington, *The Outline Bible*, 587-88

---

---

---

---

---

---

---

---

## 8

John 1:14- And the Word became flesh, and <sup>[a]</sup>dwelt among us, and we saw His glory, glory as of <sup>[b]</sup>the only begotten from the Father, full of grace and truth.

John 21:24-This is the disciple who is testifying to these things and wrote these things, and we know that his testimony is true.

1 John 1:1-3-What was from the beginning, what we have heard, what we have seen with our eyes, what we have looked at and touched with our hands, concerning the Word of Life— <sup>2</sup> and the life was manifested, and we have seen and testify and proclaim to you the eternal life, which was with the Father and was manifested to us— <sup>3</sup> what we have seen and heard we proclaim to you also, so that you too may have fellowship with us; and indeed our fellowship is with the Father, and with His Son Jesus Christ.

John 21:2- Simon Peter, and Thomas called <sup>[b]</sup>Didymus, and Nathanael of Cana in Galilee, and the *sons* of Zebedee, and two others of His disciples were together.

John 21:7-Therefore that disciple whom Jesus loved \*said to Peter, “It is the Lord.” So when Simon Peter heard that it was the Lord, he put his outer garment on (for he was stripped *for work*), and threw himself into the sea.

## 9

John 18:18-Now the slaves and the officers were standing *there*, having made a charcoal fire, for it was cold and they were warming themselves; and Peter was also with them, standing and warming himself.

## 10

Gen 3:19- By the sweat of your face You will eat bread, Till you return to the ground, Because from it you were taken; For you are dust, And to dust you shall return.”

2 Thess. 3:10- For even when we were with you, we used to give you this order: if anyone is not willing to work, then he is not to eat, either.

1 Tim. 5:8- But if anyone does not provide for his own, and especially for those of his household, he has denied the faith and is worse than an unbeliever.

Matt. 6:26- Look at the **birds** of the air, that they do not sow, nor reap nor gather into barns, and *yet* your heavenly Father feeds them. Are you not worth much more than they?

## **11**

Matt. 4:19-And He \*said to them, “Follow Me, and I will make you fishers of men.”

John 12:32- And I, if I am lifted up from the earth, will draw all men to Myself.”

Luke 5:6- When they had done this, they enclosed a great quantity of fish, and their nets *began* to break

Matt. 13:47-40- “Again, the kingdom of heaven is like a dragnet cast into the sea, and gathering *fish* of every kind; <sup>48</sup> and when it was filled, they drew it up on the beach; and they sat down and gathered the good *fish* into containers, but the bad they threw away. <sup>49</sup> So it will be at the <sup>[y]</sup>end of the age; the angels will come forth and <sup>[z]</sup>take out the wicked from among the righteous, <sup>50</sup> and will throw them into the furnace of fire; in that place there will be weeping and gnashing of teeth.

Ezek. 47:9-10-It will come about that every living creature which swarms in every place where the <sup>[d]</sup>river goes, will live. And there will be very many fish, for these waters go there and *the others* <sup>[e]</sup>become fresh; so everything will live where the river goes. <sup>10</sup> And it will come about that fishermen will stand beside it; from **Engedi** to **Eneglaim** there will be a place for the

spreading of nets. Their fish will be according to their kinds, like the fish of the Great Sea, very many.

2 Cor. 3:6- who also made us adequate *as* servants of a new covenant, not of the letter but of the Spirit; for **the letter kills**, but **the Spirit gives life**.

Rev. 1:4- John to the seven churches that are in Asia: Grace to you and peace, from Him who is and who was and who <sup>[a]</sup>is to come, and from the seven Spirits who are before His throne.

Gen. 2:10-14- Now a river <sup>[g]</sup>flowed out of Eden to water the garden; and from there it divided and became four <sup>[h]</sup>rivers.

<sup>11</sup> The name of the first is Pishon; it <sup>[i]</sup>flows around the whole land of Havilah, where there is gold. <sup>12</sup> The gold of that land is good; the bdellium and the onyx stone are there. <sup>13</sup> The name of the second river is Gihon; it <sup>[j]</sup>flows around the whole land of Cush. <sup>14</sup> The name of the third river is <sup>[k]</sup>Tigris; it <sup>[l]</sup>flows east of Assyria. And the fourth river is the <sup>[m]</sup>Euphrates.

Gal. 4:24-This is allegorically speaking, for these *women* are two covenants: one *proceeding* from Mount Sinai bearing children <sup>[b]</sup>who are to be slaves; <sup>[c]</sup>she is Hagar.

Rev. 11:8-And their dead bodies *will lie* in the street of the great city which <sup>[f]</sup>mystically is called Sodom and Egypt, where also their Lord was crucified



John 21:2- Simon Peter, and Thomas called <sup>[b]</sup>Didymus, and Nathanael of Cana in Galilee, and the *sons* of Zebedee, and two others of His disciples were together.

John 21:8- But the other disciples came in the little boat, for they were not far from the land, but about <sup>[d]</sup>one hundred yards away, dragging the net *full* of fish.

John 1:14- And the Word became flesh, and <sup>[a]</sup>dwelt among us, and we saw His glory, glory as of <sup>[b]</sup>the only begotten from the Father, full of grace and truth.

John 21:24-This is the disciple who is testifying to these things and wrote these things, and we know that his testimony is true.

1 John 1:1-3-What was from the beginning, what we have heard, what we have seen with our eyes, what we have looked at and touched with our hands, concerning the Word of Life—<sup>2</sup> and the life was manifested, and we have seen and testify and proclaim to you the eternal life, which was with the Father and was manifested to us—<sup>3</sup> what we have seen and heard we proclaim to you also, so that you too may have fellowship with us; and indeed our fellowship is with the Father, and with His Son Jesus Christ.

## 12

Ps. 37:25- I have been young and now I am old, Yet I have not seen the righteous forsaken Or his <sup>[g]</sup>descendants begging bread

Matt. 6:25-33- “For this reason I say to you, <sup>[n]</sup>do not be worried about your <sup>[o]</sup>life, *as to* what you will eat or what you will drink; nor for your body, *as to* what you will put on. Is not life more than food, and the body more than clothing? <sup>26</sup> Look at the birds of the <sup>[p]</sup>air, that they do not sow, nor reap nor gather into barns, and *yet* your heavenly Father feeds them. Are you not worth much more than they? <sup>27</sup> And who of you by being worried can add a *single* <sup>[q]</sup>hour to his <sup>[r]</sup>life? <sup>28</sup> And why are you worried about clothing? Observe how the lilies of the field grow; they do not toil nor do they spin, <sup>29</sup> yet I say to you that not even Solomon in all his glory clothed himself like one of these. <sup>30</sup> But if God so clothes the grass of the field, which is *alive* today and tomorrow is thrown into the furnace, *will He* not much more *clothe* you? You of little faith! <sup>31</sup> Do not worry then, saying, ‘What will we eat?’ or ‘What will we drink?’ or ‘What will we wear for clothing?’ <sup>32</sup> For the Gentiles eagerly seek all these things; for your heavenly Father knows that you need all these things. <sup>33</sup> But <sup>[s]</sup>seek first <sup>[t]</sup>His kingdom and His righteousness, and all these things will be <sup>[u]</sup>added to you.

Philip. 4:19- And my God will supply <sup>[a]</sup>all your needs according to His riches in glory in Christ Jesus.

Wiersbe- How loving of Jesus to feed Peter before He dealt with his spiritual needs. He gave Peter opportunity to dry off, get warm, satisfy his hunger, and enjoy personal fellowship. This is a good example for us to follow as we care for God's people. Certainly the spiritual is more important than the physical, but caring for the physical can prepare the way for spiritual

ministry. Our Lord does not so emphasize 'the soul' that He neglects the body."

## 13

John 15:3- You are already clean because of the word which I have spoken to you

Rev. 3:20- Behold, I stand at the door and knock; if anyone hears My voice and opens the door, I will come in to him and will dine with him, and he with Me.

1 John 1:9- If we confess our sins, He is faithful and righteous to forgive us our sins and to cleanse us from all unrighteousness.

1 John 2:1- My little children, I am writing these things to you so that you may not sin. And if anyone sins, we have an Advocate with the Father, Jesus Christ the righteous.

Exod. 19:1- In the third month after the sons of Israel had gone out of the land of Egypt, <sup>[a]</sup>on that very day they came into the wilderness of Sinai.

Heb. 13:20-21- Now the God of peace, who brought up from the dead the great Shepherd of the sheep <sup>[g]</sup>through the blood of the eternal covenant, *even* Jesus our Lord, <sup>21</sup> equip you in every good thing to do His will, working in us that which is pleasing in His sight, through Jesus Christ, to whom *be* the glory forever and ever. Amen.